हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार, 31 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 30 .0 डिग्री
न्यूनतम 13 .0 डिग्री

11 पार्कों का नवीनीकरण जींद के विकास की दिशा में...

11 लयो घियो नुं भंडा नाटक का शानदार मंचन

खबर संक्षेप

हथियार से हमला कर मोबाइल फोन छीना

जींद। जुलाना के रेलवे क्वार्टर के निकट बीती देर शाम चेहरा ढांपे तीन युवकों ने एक युवक पर तेजधार हथियार से हमला कर मोबाइल फोन लूट लिया। युवक को गंभीर हालात में पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। रेलवे थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर अज्ञात तीन युवकों के खिलाफ लूट, तेजधार हथियार से हमला कर जांच शुरू कर दी है।

फायरिंग के मामले में असला सप्लायर काबू

कैथल। पूंडरी में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली महिला पर फायरिंग करने के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनिट के एएसआई तरसेम कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव मटरवा खेड़ी निवासी बीरबल को काबू करके अदालत से 3 दिन पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

हमला कर व्यक्ति को किया घायल, केस दर्ज

जींद। गांव लोन में गली का लेवल ऊंचा करने का विरोध करने पर आरोपितों ने हमला कर एक व्यक्ति को घायल कर दिया। गढ़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव लोन निवासी जसमेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पडोसी रमेश, जगदीश ने गली की लेवल को ऊंचा कर लिया। जिसके चलते गंदा पानी उसके प्लाट में जाने लगा था।

घर में घुसकर महिला से मारपीट का मामला दर्ज

कैथल। सदर पुलिस कैथल में घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में एक मामला दर्ज किया है। इस संबंध में गांव क्योडक की सोनिया ने सदर पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 27 मार्च को सायं के 7:00 बजे गांव के ही डॉक्टर रिंकू और पिन्ना लाठी, डंडे और गंडासियों से लैस होकर उसके घर में घुसे तथा मारपीट करते हुए उसके लड़के के दोस्त गौरव, उसकी सास फूलपति तथा उसे घायल कर दिया।

मकान का टूटा ताला जेवरात व नकदी चोरी

जींद। गांव पालवां की भगत सिंह कालोनी में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोने, चांदी के जेवरात तथा साढ़े 37 हजार रुपये चोरी कर लिए। उचाना थाना पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशीला पदार्थ पिलाकर महिला से नकदी ठगी

कैथल। कैथल में ठगों द्वारा एक महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके हजारों रुपए के जेवरात लूटने का मामला प्रकाश में आया है। गांव उज्ञाना की ओमी देवी ने शहर पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह 29 को घर का सामान लेने के लिए कैथल आई थी। आरोप है कि दो अज्ञात व्यक्ति उसे धोखे से कैथल के पार्क में ले गए था।

मारपीट करने पर पति के खिलाफ मामला दर्ज

जींद । गांव कलावती में पत्नी के साथ मारपीट करने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कलावती निवासी राजेश की पत्नी पूनम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पति के साथ खेत में गई हुई थी। उसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

सुरेन्द्र कुमार गोयत अध्यक्ष मनोनित

नरवाना। नरवाना में प्राइवेट स्कूल फेडरेशन द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जींद जिले के लगभग सभी ब्लॉकों से प्रतिनिधि मौजूद रहे। आज की बैठक में सर्वसम्मति से सुरेन्द्र कुमार गोयत को प्राइवेट स्कूल फेडरेशन नरवाना ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

राज्य सरकार को प्रोजेक्ट के लिए एस्टीमेट भेजा था

रामनगर में बनाया जाएगा रेलवे अंडरपास, दर्जनों कालोनियों के लोगों को होगा फायदा, पांच करोड़ रुपये की राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अब रामनगर व आसपास के लोगों को रेलवे फाटक को लेकर परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। शहर के रामनगर में बंद किए गए फाटक पर अंडरपास के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। रेलवे की तरफ से राज्य सरकार को इस प्रोजेक्ट के लिए एस्टीमेट दिया गया था। अब सरकार ने परिषद के माध्यम से अंडरपास के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। अब नप की ओर से राशि रेलवे को सौंपी जाएगी। इसके बाद इसके निर्माण की निविदा सूचना जारी होगी और वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद कार्य शुरू होगा।

जल्द परेशानी से मिलेगी राहत

इस सौगात के बाद रामनगर सहित अन्य कॉलोनियों के लोगों भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी सहित नगर परिषद अध्यक्ष सुरभि गर्ग का आभार जताया है। बता दें कि राम नगर में बनने वाले अंडरपास के निर्माण को लेकर पिछले साल नगर परिषद की तरफ से फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाई गई थी। जो पॉजिटिव थी। गौरतलब है कि कैथल रेलवे स्टेशन के पास नई अनाज मंडी व रामनगर जाने वाले फाटक को करीब ढाई साल पहले ही बंद किया गया था। रेलवे की तरफ से कारण इसका रेलवे यार्ड में आना बताया गया था। इस फाटक के बंद होने से दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों के हजारों लोगों को परेशानियां हो रही रही है। अब अंडरपास बनने के बाद यह परेशानी खत्म होगी। यह फाटक पुराना शहर को जींद रोड स्थित दो दर्जन कॉलोनियों, मॉडल टाउन और नई अनाज मंडी से जोड़ता है।

वर्क ऑर्डर के बाद कार्य शुरू होगा

इन कॉलोनियों के लोगों को होगा फायदा

बता दें कि अंडरब्रिज बनाए जाने से नई अनाज मंडी, रमानगर, रजनी कॉलोनी, चंदाना गेट, शक्ति नगर, जींद रोड मॉडल टाउन, रेलवे गेट कॉलोनी, वाल्मीकि धर्मशाला बस्ती, भगत सिंह चौक, प्रताप गेट, डकौत बस्ती, भाट बस्ती सहित अन्य कॉलोनी के लोगों को फायदा मिलेगा। बता दें कि इस फाटक से दो दर्जन से अधिक कॉलोनियों के लोग शहर के इस पार से उस पार आसानी से जा सकते हैं। फाटक बंद होने से इन लोगों को दो किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करके जाना पड़ता है।

प्रदेश की नायब सरकार ने जारी किया बजट

नगर परिषद कैथल की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने बताया कि रामनगर में बनने वाले अंडरपास की मंजूरी तो रेलवे की ओर से दी गई थी, लेकिन इसका बजट प्रदेश सरकार की ओर से जारी किया जाना था। इस मांग को लेकर वे भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी के साथ सीएम नायब सैनी से मिली थी। सीएम ने इसे मंजूरी देते हुए पांच करोड़ रुपये की राशि दी है। अब यह राशि रेलवे को सौंपी जाएगी। इसके बाद रेलवे की ओर से यहां पर अंडरपास बनाने का काम शुरू किया जाएगा।

सुरभि गर्ग।

ज्योति सैनी

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक में पेट्रोल डाल रहे युवक की जान गई

- रेलवे पुल पर बाइक का पेट्रोल हुआ था खत्म, चाचा के बुलाने पर तेल लेकर पहुंचा था युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रोहतक रोड से भिवानी रोड रेलवे लाइन पर ओवरब्रिज पर बाइक में पट्रोल डाल रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जबकि उसका चाचा बाल-बाल बच गया। शहर थाना पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शर्मा नगर निवासी सतबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह देर शाम का नई अनाज मंडी में अपनी दुकान से बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। रोहतक रोड से भिवानी रोड पर बने रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचा तो उसके बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। जिस पर उसने फोन कर अपने भतीजे सन्नी को पेट्रोल लाने के लिए कहा। कुछ समय के बाद सन्नी वहां पर पंहुच गया और बाइक साइड में कर पेट्रोल डालने लगा। उसी दौरान रोहतक रोड की तरफ से तेजरफ्तार कार आई और उसके भतीजे तथा बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें उसका भतीजा सन्नी गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि वह बाल-बाल बच गया। घटना को अंजाम देकर चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों के सहयोग से उसके भतीजे को गंभीर हालात में नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसके भतीजे को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। शहर थाना पुलिस ने मृतक के चाचा सतबीर की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टर्माटम करा परिजनों को सौंप दिया है।

1. 20 लाख का चूना लगाया

जींद। विदेश में रह रहा भाई बता सोने, ज्वैलरी व एप्पल फोन भेजने का झांसा देकर महिला को एक लाख बीस हजार रुपये का चूना लगा दिया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मलार निवासी रेखा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई यूके में रह रहा है। गत 26 मार्च को उसके फोन पर व्हाट्सअप कॉल आई। कॉल करने वाले ने उसका भाई बन कर कॉल की। जिसने कहा कि वह सोने के जेवर तथा एप्पल फोन कोरियर कर रहा है। गत 28 मार्च को उसके फोन पर कॉल आई। जिसने बताया कि उसका कोरियर आया हुआ है। जिसमे पाउंड करेंसी है। जिसे रुपये के कन्वर्ट कराने के लिए चार्ज देने होगे। जिस पर उसने अपने जानकार के खाते से 15 हजार रुपये यूपीआई से भेज दिए।

लाइट व्हीकल के लिए लुदाना टोल रेट पुराना ही रहेगा

हाइवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को कल से देने होंगे पांच रुपये अतिरिक्त

पहले नौ जून को बढ़े थे रेट, नौ महीने में ही खटकड़ टोल पर रेट बढ़ गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हैवी व्हीकल के लिए 10 से 20 रुपये तक टोल रेट बढ़ा

जींद। खटकड़ टोल प्लाजा। *फोटो :हरिभूमि*

जींद जिले में एक अप्रैल से हाइवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को पांच रुपये अतिरिक्त देने होंगे। उचाना के पास खटकड़ और नरवाना में मौजूद बद्दोवाल टोल प्लाजा पर हल्के वाहनों के लिए टोल पांच रुपये बढ़ाया गया है। लुदाना टोल पर हलके वाहनों के लिए टोल रेट नही बढ़ा है लेकिन हैवी व्हीकल के लिए 10 से 20 रुपये तक टोल रेट बढ़े हैं। खटकड़ टोल प्लाजा पर अब तक कार, जीप, हल्के वाहनों को 120 रुपये देने पड़ रहे हैं लेकिन एक अप्रैल के बाद 125 रुपये एक तरफ के देने होंगे। नौ माह में बढ़ गए टोल, पहले नौ जून को बढ़े थे टोल रेट नौ माह में ही खटकड़ टोल पर रेट बढ़ गए हैं। इससे पहले नौ जून को टोल रेट बढ़ाए गए थे। जींद जिले में दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर खटकड़, हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे पर बद्दोवाल और जींद-गोहाना मार्ग पर लुदाना के पास टोल प्लाजा बनाए गए हैं। जींद-करनाल नेशनल हाईवे पर करनाल की सीमा में तथा जींद-भिवानी एनएच पर बास के पास भिवानी जिले की सीमा में टोल बना हुआ है। हर साल एक अप्रैल को टोल रेट बढ़ाए जाते हैं लेकिन पिछले साल लोकसभा चुनावों के कारण लगी आचार संहिता के कारण जून माह में टोल रेट बढ़े थे। खटकड़ टोल प्लाजा पर पांच रुपये से लेकर 25 रुपये की वृद्धिः दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर जींद में खटकड़ टोल प्लाजा पर पांच रुपये से लेकर 25 रुपये तक की बढ़ोत्तरी की गई है। खटकड़ टोल पर अब तक कार, जीप, वैन का एक तरफ का टोल 120 रुपये तथा दोनों तरफ का 180 रुपये लग रहा है तो एक अप्रैल के बाद कारए जीप, वैन के लिए एक तरफ 125 व दोनों तरफ 185 रुपये देने होंगे। हलके कमर्शियल वाहन का अब टोल दोनों तरफ का 290 लग रहा है तो एक अप्रैल के बाद पूरे 300 रुपये देने होंगे। बस व ट्रक का वर्तमान में एक तरफ का टोल 405 रुपये है तो एक अप्रैल के बाद यह 420 रुपये हो जाएगा। ट्रिप्पल एक्सल कमर्शियल वाहनों का एक तरफ का टोल 440 रुपये है तो एक अप्रैल के बाद यह बढ़ कर 460 रुपये हो जाएगा। इसी तरह हैवी कंस्ट्रक्शन मशीन का वर्तमान में टोल 635 रुपये लिया जा रहा है लेकिन एक अप्रैल के बाद यह 660 रुपये हो जाएगा। लुदाना टोल प्लाजा पर हल्के वाहनों के लिए टोल रेट पुराना ही रहेगा लेकिन हेवी व्हीकल का टोल रेट 10 से 20 रुपये तक बढ़ाया गया है। 350 रुपये में बनेगा मासिक पास : खटकड़ टोल से 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के वाहन चालक 350 रुपये में मासिक पास बनवा सकेंगे। अब तक 340 रुपये मासिक पास की फीस थी लेकिन अब इसमें 10 रुपये का इजाफा हो गया। एक अप्रैल के बाद जो भी वाहन चालक मासिक पास बनवाएंगे, उन्हें 350 रुपये अदा करने होंगे।

खटकड़ टोल से हर रोज सात हजार से ज्यादा वाहन गुजर रहे

खटकड़ टोल से प्रतिदिन सात हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। इससे टैक्स के रूप में आठ से नौ लाख रुपये प्रतिदिन आता है। इसी तरह बद्धोवाल टोल प्लाजा से पांच हजार से ज्यादा और लुदाना टोल प्लाज से दो हजार से ज्यादा वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। इनमें स्थानीय वाहन भी शामिल हैं। खटकड़ टोल प्लाज के जनरल मैनेजर राजू ने बताया कि एनएचएआई द्वारा लैटर जारी हो चुका है और एक अप्रैल से बढ़े हुए टोल रेट लागू होंगे। जाएंगे। हर साल अप्रैल में टोल प्लाजा के रेट बढ़ते हैं।

मलेशिया भिजवाने के नाम पर 19.59 लाख ठगे

कैथल। शहर पुलिस कैथल ने दो भाइयों को मलेशिया भेजने के नाम पर 19 लाख 59000 की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक मामला दर्ज किया है। इस बंद में पट्टी कोथ डेरा बल्लू राम बाजीगर के रामलाल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह वह अपने दो बेटों अरुण और वरुण को विदेश भेजने चाहता थाद्ध इसे लेकर उसकी बातचीत डेरा के अमरजीत, उसकी पत्नी सुनीता, मनजीत कौर तथा कांता देवी के साथ हुई। सभी आरोपियों ने मिलकर उसके बेटे दोनों बेटों को वर्क परमिट पर मलेशिया भेजने के नाम पर उनसे अलग-अलग तिथि में 19 लाख 59000 की राशि ले ली। आरोप है कि 6 जून 2022 को आरोपियों द्वारा उसके दोनों बेटों को गैर कानूनी तरीके से मलेशिया भेज दिया। इस पर वहां की पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

53 ग्राम हेरोइन के साथ बाइक सवार दो चढ़े पुलिस के हत्थे

- कलायत की तरफ से नशा स्पलाई करने आ रहे थे दोनों आरोपित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ ने भाणा ब्राह्मण में दो बाइक सवार युवकों को काबू कर उनके कब्जे से 53 ग्राम हेरोइन बरामद की है। सदर थाना नरवाना पुलिस ने हेरोइन के साथ पकड़े गए दोनों युवकों के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि कलायत इलाके से नशा का कारोबार करने वाले युवक बाइक पर सवार होकर नशा बेचने के लिए गांव भाणा ब्राह्मणन की तरफ आने वाले है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव में सरकारी स्कूल के निकट नाकेबंदी कर गांव शिमला की तरफ से आने वाले बाइक सवारों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद बाइक सवार दो युवक गांव शिमला की तरफ से आते दिखाई दिए। जो पुलिस पार्टी को देखकर वापस मुडने लगे। पुलिसकर्मियो ने पीछा कर दोनों युवकों को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 53 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवकों की पहचान गांव रसीदां निवासी अजय तथा कलायत निवासी मोनू के रूप में हुई।

युवक को अमेरिका भिजवाने के नाम पर 49 लाख ठगे

- दस दिन जेल में रहकर युवा को कर दिया था डिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पूंडरी खंड के करोड़ा गांव के युवक से अमेरिका भेजने के नाम पर 49 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पूडरी थाना की पुलिस ने पीड़ति युवक की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। यह दोनों आरोपी आपस में जीजा व साला लगते हैं। पीड़ति की शिकायत अनुसार आरोपियों ने रुपये लेकर उसे अमेरिका की बजाय अन्य देशों में घुमाया। उसे बाद में डिपोर्ट कर दिया और और यहां आने के बाद युवक को 10 दिन जेल में रहना पड़ा। पूंडरी थाना में दी गई शिकायत में करोड़ा निवासी जसबीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी जान पहचान गांव मालवी जिला जींद निवासी देवेंद्र के साथ हो गई थी, जो पाई गांव में शादीशुदा है। देवेंद्र ने बताया कि उसका साला कुलदीप युवाओं को विदेश भेजता है। इस पर उसने अपने भाई मोहन को अमेरिका भेजने के लिए उनसे बातचीत की।आरोपियों ने 48 लाख रुपये में उसके भाई को अमेरिका भेजने की बात कही। नवंबर 2021 में आरोपियों ने उससे रुपये ले लिए और उसके भाई को पहले श्रीलंका, फिर कंबोडिया और वहां से टोक्यो भेज दिया। टोक्यो में उसे एयरपोर्ट से बाहर नहीं जाने दिया तो वापस दोहा साउथ कोरिया भेज दिया गया। देवेंद्र ने कहा कि उसे दिलासा दिया गया कि वे दुबई से सीधे मेक्सिको भेजेंगे। इस प्रकार आरोपी पैसे लेकर उसके भाई को अलग-अलग देशों में घुमाते रहे। 15 मार्च 2022 को देवेंद्र ने मोहन को वापस भारत बुला लिया। यहां से फिर उसे अमेरिका भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी और उसके भाई को बैंकॉक और वहां से इंडोनेशिया ले गया।पूंडरी थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्टडी वीजा के नाम पर 6.43 लाख ठगे

कैथल। पूंडरी पुलिस में कनाडा का स्टडी वीजा लगवाने के नाम पर 643600 रुपये ठगने के आरोप में सोनीपत के एक एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में गांव दुसैन के जीवन सिंह ने पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता कनाडा में काम करता है इसलिए वह 12वीं के बाद आगे की पढ़ाई कनाडा में करना चाहता था। उसने मोबाइल में विज्ञापन के माध्यम से सोनीपत के स्काई ट्रेवल एजेंसी के प्रमोद सिरोही की वीडियो देखी। इसके बाद उसने आरोपी से मोबाइल पर बातचीत की। आरोपी उसे पूंडरी के बस स्टैंड पर आकर मिले। आरोपियों द्वारा उसे कहा गया कि वह कनाडा के कुछ कॉलेज बिना आइलेट और पीटीई के डिप्लोमा में प्रवेश देते हैं। इसके लिए 18 लाख का पैकेज निकला हुआ है।

तैयारी गेहूं सीजन को लेकर बिजली निगम ने की तैयारियां पूरी

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए कल से ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पर लगेगा कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गेहूं कटाई को लेकर हरियाणा बिजली निगम ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बता दें कि गेहूं के सीजन को देखते हुए बिजली निगम ने एक अप्रैल से दिन में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया है, ताकि गेहूं की फसल में होने वाली आग की घटनाओं को रोका जा सके। गेहूं कटाई के सीजन को लेकर निगम ने सरकार के आदेशों पर यह फैसला लिया है। इसके साथ ही दमकल विभाग ने भी अपने कर्मियों की अलग-अलग जगहों पर ड्यूटियां लगाई। बता दें कि गेहूं कटाई के समय चिंगारी से आगजनी का खतरा रहता है। इस खतरे से निपटने के लिए ही निगम ने यह फैसला लिया है।

गौरतलब है कि हर साल गेहूं की फसल में अग्निकांड की घटनाएं देखने को मिलती हैं। इसका कारण खेतों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार बनते हैं। यदि तार आपस में टकरा जाते हैं तो उनसे निकलने वाली चिंगारी खेत में खड़ी फसल को जलाकर राख कर देती है। इसी कारण बिजली निगम ने एक अप्रैल से कटाई के सीजन में दिन में बिजली बंद करने का निर्णय लिया है। इसके तहत सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक बिजली आपूर्ति गांवों के लिए बाधित रहेगी।

शहर की नही कटेगी सप्लाई

बिजली निगम कैथल के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भलोठिया ने बताया कि गेहूं के सीजन को देखते ही अप्रैल माह में बिजली सप्लाई दिन के समय में बंद रहेगी। जबकि शहरी क्षेत्र में बिजली सुचारू रूप से चलेगी। फसल जलने से किसानों की मेहनत बेकार न हो, इसलिए निगम ने यह निर्णय लिया है।

किसानों से अपील की

सहायक कृषि अभियंता जगदीश चंद ने बताया कि गेहूं के सीजन में मौसम गर्म हो जाता है। ऐसे में तेज हवा में आग लगने का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है। यदि किसी खेत में आग लग जाती है तो कच्चे रास्तों के कारण दमकल विभाग की गाड़ी भी तेजी से नहीं जा सकती। किसानों से अपील की है कि खेतों में ट्रांसफार्मर के आसपास सूखी घास या गेहूं की फसल हटा लें।

जींद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बैंक कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जींद। हुडा मार्केट में रविवार को पंजाब एंड सिंध बैंक मैनेजमेंट की स्टाफ ट्रांसफर नीति को कर्मचारी विरोधी करार देते हुए बैंक कर्मचारियों ने मेन ब्रांच के बाहर प्रदर्शन किया। मार्च के अंत में क्लोजिंग के कारण बैंक खुले थे। रविवार दोपहर को पंजाब एंड सिंध बैंक की पूरे जिले की शाखाओं के कर्मचारी और अधिकारी रविवार को जींद में गोहाना रोड पर डीआरडीए के सामने की हुडा मार्केट स्थित बैंक की मेन ब्रांच के बाहर एकत्रित हुए। यहां पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंधन की कर्मचारियों के ट्रांसफर की नीति के विरोध में नारेबाजी की गई। कर्मचारी और अधिकारी नेताओं ने कहा कि स्टाफ के ट्रांसफर की जो नीति बनाई गई है, वह पूरी तरह से कर्मचारी विरोधी है। पंजाब एंड सिंध बैंक ऑफिसर्स फेडरेशन हरियाणा के महासचिव प्रद्युमन, प्रदेश अध्यक्ष लोकेश, मुकेश भारद्वाज तथा दलजीत ने कहा कि स्टाफ के ट्रांसफर की जो नीति बनाई गई है, उसमें स्टाफ के हितों और सुविधाओं का कोई ख्याल नही रखा गया है।

मृत्यु तो प्रभु का आमंत्रण है। जब वह आए तो द्वार खोलकर उसका स्वागत करो और चरणों में हृदयधन सौंपकर अभिवादन करो।
- रविंद्रनाथ टैगोर

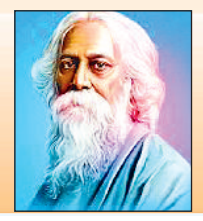

अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन की बू आ रही थी।

कहानी
अर्चना कोचर

शुभरात्रि

दफ्तर से घर के रास्ते में अचानक कैब खराब हो गई। रात बड़ी अंधियारी और सड़क बिल्कुल सुनसान थी। घर और रास्ते की दूरी लगभग बीस किलोमीटर थी। भाई और पापा दोनों शहर से बाहर गए हुए थे। और-तो-और इंटरनेट भी गायब था। संध्या बदहवास सड़क पर पैदल पागलों की भाँति भागी जा रही थी और साथ-साथ चल रहा था वह घुप्प अंधेरा। तभी उसे ऐसा आभास हुआ जैसे कोई साया उसके साथ-साथ चल रहा है। परछाई होगी, समझ कर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन तभी वह साया बिल्कुल करीब आ गया।

यह मन का वहम नहीं, अपितु हकीकत है। डर के मारे उसकी घिग्घी बंध गई। अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन तथा कंचे सी चमकती आँखों से वासना की बू नजर आ रही थी। तभी सुनसान को चीरती उसकी मधुर तथा धीमी आवाज, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने मौन तथा सहज होते हुए स्वयं को उसके बंधन से आजाद किया। उसका वहीं सवाल फिर से, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने बड़े धीमे से - हाँ, बोला। अब वह साया कदम-से-कदम मिलाकर उसके साथ-साथ चलने लगा। संध्या तेज-तेज कदमों से जितना दूर होने का प्रयास करती, वह उतना करीब आता जा रहा था। मानो संध्या के कदमों की गति से अपने कदमों के सुर-ताल मिला रहा हो। उसने फिर से सुनसान को चीरते हुए - 'इस वक्त इस सुनसान सड़क पर अकेले कैसे ?

डर के मारे संध्या के स्वर नहीं निकल पा रहे थे। उसके भय और चुप्पी को भांपकर उसने ढांढस बंधाते हुए - 'आप डरिए नहीं, इतनी सुनसान सड़क पर अकेली कैसे', लगती तो आप किसी सभ्य घर से है' ?

डर के मारे संध्या के होठ सिल गए, जिह्वा तालू से चिपक गई, शब्द कंठ तक तो आ रहे थे, लेकिन निकल नहीं पा रहे थे। वह बस बदहवास भागी जा रही थी। जैसे बीस किलोमीटर की दूरी दो ही मिनट में पूरी कर लेगी। वह जिस तरह से साथ-साथ चल रहा था, उसके हैवान होने का शक संध्या के दिमाग पर उतना ही गहराता जा रहा था। अपने पर काबू पाकर वह सिर्फ दो ही शब्द बोल पाई - 'आप यहाँ से जाइए, मैं अपने-आप चली जाऊँगी।' उसने कहा - 'सड़क सुनसान है, घुप्प अँधेरा है, शहर यहाँ से लगभग बीस किलोमीटर की दूरी पर है। इस समय सड़क पर शायद ही कोई वाहन मिले। 'संध्या ने फिर से हिम्मत बटोरकर - "बोला ना, आप जाइए! मैं चली जाऊँगी।" उसने कहा, "आगे थोड़ा जंगल का रास्ता है। इस समय जंगली जानवरों तथा अराजक तत्वों का खतरा होता है। आपके लिए अकेले वहां जाना सुरक्षित नहीं है।" संध्या ने मन-ही-मन, 'मैंने तुम्हारी आँखों में हैवानियत पढ़ ली है। अपने-आप को बड़े औरत के रखवाले और परम हितैषी समझते हो। मर्द परम हितैषी बनकर ही तो औरत को धोखा देते हैं। मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आने वाली हूँ। क्यों उल्लू बना रहो' ?

संध्या उससे जितना दूर भागने की कोशिश करती, वह उतना ही उसके साथ-साथ हो लेता। उसने फिर वहीं बात दोहरा दी - 'आपने अपना नाम नहीं बताया, इस सुनसान सड़क पर कैसे'?

'संध्या तुतलाते हुए - 'संध्या, कैब खराब हो गई थी'। फिर एकदम से चिल्लाकर - 'बस बता दिया सब कुछ', अब आप मुझे मेरे हाल पर छोड़कर यहां से जाइए।

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहाँ से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूँ। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।' वह फिर मुस्कुराते हुए - "संध्या जी मेरा नाम गौरव है।" उसने चिढ़ते हुए - "गौरव-सौरव या कुछ और, फिर मैं क्या करूं ?" वह ढिठाई से मुस्कुराते हुए - 'जी पक्का-पक्का गौरव ही है। 'अब पकड़म-पकड़ाई और नोकझोंक में काफी समय हो गया था। आगे का रास्ता सुनसान, अँधकारमय तो था ही, साथ में गहरे जंगल से घिरा था। संध्या के पास भी उसके साथ चलने के अलावा कोई चारा नहीं था। अतः उसने भी मन के भय को खत्म करके सहज होकर उसके साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। अब न वह कुछ बोला और न ही संध्या। वह दोनों चुपचाप रास्ते की दूरी नाप रहे थे। संध्या बीस किलोमीटर के रास्ते को कदमों से नाप रही थी और वह कदम-से-कदम मिलाकर उसका साथ निभा रहा था। पीछे से गाड़ी का हॉर्न सुनकर, अपने पास रुकता देख संध्या डर के मारे लड़खड़ा गई।

गौरव उसका हाथ पकड़कर उसे सड़क के किनारे ले आता है। तभी गाड़ी उनके पास आकर रुकती है और दरवाजा खुलता है। अंदर दो जन - एक ड्राइवर की सीट पर तथा एक पीछे बैठा था। गौरव उसे अंदर बैठने के लिए बोलता है, लेकिन वह चिल्लाना शुरू कर देती है - 'मैं आप जैसे कपटी-दगाबाज लोगों को बड़े अच्छे से जानती हूँ, पहले विश्वास जमाते हो, फिर गैंग में लूटते हो।' उसने मुस्कुराकर विनयपूर्वक उसे फिर से अंदर बैठने के लिए कहा। लेकिन संध्या के जोर-जोर से चिल्लाने पर गौरव ने उसके मुँह पर हाथ रखकर, उसे धक्का देकर गाड़ी के अंदर बैठा दिया। फटाफट दरवाजें बंद किए और गाड़ी चल पड़ी। संध्या बेचैन कभी भगवान को याद करती, कभी अपनी फूटी किस्मत को, 'इस कैब को भी आज ही खराब होना था, जब घर पर कोई नहीं है। आज तो तू लुटी-ही-लुटी या तो तेरा राम-नाम सत होगा या ताउम्र बदचलन, बेहया का ठप्पा और मीडिया की बेचारी बनी-बनी न जाने कहाँ-कहाँ मशहूर हो जाएगी?' तभी गौरव ने पूछा - 'कहां जाना है आपको?' संध्या की डर के मारे जुबान निकल ही नहीं रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ बोला है और इन्हें सुनाई नहीं दिया। गौरव ने फिर जोर से पूछा - "संध्या जी, मैं पूछ रहा हूँ, आपका घर कहां पर है ?" संध्या कुछ जवाब देती इससे पहले ही ड्राइवर - 'साहब, मैं तो गाड़ी फैक्ट्री के गैराज से निकालने गया था, इतनी देर में आप न जाने कहां गायब हो गए। मैं और सौरव साहब (पीछे बैठा व्यक्ति शायद गौरव का भाई होगा) बड़ी देर तक आपको फैक्ट्री के अंदर-बाहर ढूंढते रहे। आप फोन तो वहीं छोड़ आए और गाड़ी की चाबी भी साथ ले आए थे।

तभी गौरव जेब टटोलते हुए - 'ओह! बस वैसे ही पैदल चलने का मन हो आया था।' सौरव- 'गौरव, ऐसे कैसे तुम एकदम सुनसान सड़क पर अकेले पैदल बिना कुछ बताए चाबी जेब में डाले निकल आए' ? 'यह तो शुक्र है आज दूसरी गाड़ी फैक्ट्री में खड़ी थी और हम निकल आए। तुम्हें पता है यह जंगल का रास्ता कितना सुनसान और खतरनाक है। अकेले और पैदल यहां कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भाई दो-चार किलोमीटर हो तो पैदल की सोचते, पूरा बीस किलोमीटर, वो भी जंगल, खतरों के खिलाड़ी बनने का इरादा है क्या?

गौरव - हूं। संध्या मन-ही-मन शायद मुझे सुनसान सड़क पर पैदल चलता देखकर यह साया मेरी हिफाजत में मेरी और आया होगा। तभी संध्या हिम्मत करके - 'गौरव जी, मुझे बस्तीपुरा जाना है।' गौरव ने ड्राइवर को गाड़ी बस्तीपुरा में घुमाने को बोला। बस्तीपुरा पहुंचकर संध्या को उसके घर के बाहर गेट पर उतारते हुए- अभी संध्या अपनी कृतज्ञता प्रकट करने ही वाली थी कि गौरव एकदम से मुस्कुरा कर - 'संध्या जी, सारे राहगीर चालबाज, भेड़िए और लुटेरे नहीं होते हैं। अच्छा चलते हैं, शुभरात्रि !

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहां से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूं। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।'

कविता
डॉ. बबिता सिंह

जीवन

इंद्रधनुषी सतरंगी
झिलमिल हो नभ पंथ
कनक थाल में मेघ सजा हो
हो जीवन उद्धार प्रिय।

सुरमई शाम
आँगन में दीप
नूपुर की रुनझुन से ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंतर्मन भर पुलक
अरुण का सूर्य कलश
पाँव में महावर हो ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अलि गूँजित मधुवन
सुधि से सुरभित स्नेह
स्पंदन ले अंक में ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

चिर अनमोल बंधन
प्रेम की परिधि
सागर की मोती सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंबर में विद्युत
उर में है बादल
साँसों के सौरभ-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

मधुरता अलक्षित
स्वर्ग सा श्रृंगार
संगीत की झंकार से
हो जीवन उद्धार प्रिय।

पवन हौले मृदुल
पावस का पलक डोल
तारों की चाँदनी-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

ग़ज़ल
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

इस ज़मीं का आदमी

इस जमीं का आदमी जब से खुदा होने लगा।
जन्दिगी का जायका ही बदमजा होने लगा।

ये अमन के पोस्टर जब से लगे हैं शहर में,
हर गली, हर मोड़ पर एक हादसा होने लगा।

आदमी शायद अजायबघर में ढूंढा जाएगा,
गर शहर में आए दिन ये सिलसिला होने लगा।

बढ़ गये नाखून,जबड़ों से टपकता है लहू,
आजकल के आदमी को जाने क्या होने लगा।

रोशनी देने के बदले घर जलाते हैं चिराग़,
अब शहर में जंगलों सा वाकया होने लगा।

ग़ज़ल
पं. कमल कांत भारद्वाज

असली मुखौटा

सब कुछ बता दिया मेरा हाथ देख कर
ये सब बताया उसे मेरे साथ देखकर

मैं अकेला ही लड़ लूँगा अपने मुक़द्दर से
मुझे संभल जाना चाहिए दुश्मन की चाल देखकर

वो आया था मुझे मिलने मेरे सायबान में
वापस लौट गया मेरा हाल बेहाल देखकर

ये सब जैसे दिखते हैं तुम्हें वैसे है नहीं
चेहरों पे नक़ाब डाल लेते हैं माहौल देखकर

किसे बतायें 'कमल' फ़लसफ़े अपनी ग़ुरबत के
अपनो ने ही ख़ंजर चला दिया बदहाल देखकर

कविता
राजेश भारती

एक दिन

एक दिन ऐसे ही बादल छूकर चला गया
धूप पत्तों पर ठिठकी, फिर लौट आई
हवा में गुनगुनाहट सी बिखर गई

सुबह की चाय में धुआँ उड़ा
खिड़की से झाँकती थी नन्ही चिड़िया
एक दिन ऐसे ही वक्त नर्म हो गया

गली के बच्चों की हँसी गूँजी
पेड़ की डाल पर सूरज झूलता रहा
मैंने चुपचाप समय को थाम लिया

शाम ने आकाश को गुलाबी रंग दिया
नदी किनारे चुपचाप लहरें सो गईं
एक दिन ऐसे ही दिल हल्का हो गया।

कविता
इन्दू घणघस

पापा

उठते थे सवेरों से पहले,
सांझ को भी कहा चयन पाते थे।
मेरे कल की खातिर
अपने आज को भूल जाते थे।

सफलता की थपकी
विफलता का कंधा थे।
अंधेरी काली रात का,
चमकता चंदा थे।

बड़े सादे ख्याल थे उनके,
बड़ी सादि जिंदगानी थी।
अब तो ढल गया वो चांद,
उसकी चमक बड़ी नूरानी थी।

साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए साहित्यकार कृष्ण लाल का कहना है कि आज के बदलते परिवेश में साहित्य की स्थिति चुनौतीपूर्ण है, जिसमें युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि बेहद कम होना चिंता का विषय है। हर कोई गूगल या अन्य आधुनिक डिवाइसेज पर विश्वास करके पुस्तकों के पढ़ने में कम रुचि दिखा रहा है। साहित्य सर्जन के प्रति प्रेरित करने के लिए प्राइमरी स्कूल स्तर पर ही अथक प्रयास करने होंगे।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

प्रकृति व मानव के बीच दूरियां मिटाने में अहम साहित्य: कृष्ण

साहित्य और संस्कृति का समाज को नई दिशा देने में अहम योगदान माना गया है। इसी मकसद से लेखक, साहित्यकार एवं कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार कृष्ण लाल गिरधर ने साहित्यिक सफर में हिंदी, अंग्रेजी और हरियाणवी भाषा में अपनी कविताओं और आलेखों के माध्यम सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर कर लोकप्रियता हासिल की है।

शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं कवि कृष्ण लाल गिरधर ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कुछ ऐसे अछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य के जरिए प्रकृति और मानव के बीच में बढ़ती दूरियां मिटाना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर का जन्म 12 सितंबर 1961 को रोहतक के निकटवर्ती गांव मदीना में मनोहर लाल और मीराबाई के घर में हुआ। पिता एक दुकानदार थे। गांव में ही खेतों खलियान के बीच प्रकृति की गोद में बचपन बीता और उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा हुई। राजकीय उच्च विद्यालय मदीना से उन्होंने मैट्रिक पास की और हिंदू कॉलेज रोहतक से 1981 में बी.ए. की परीक्षा पास करने के बाद सर छज्जू राम कॉलेज हिसार में बी.एड.में दाखिला लिया। सन 1982 में बतौर गणित अध्यापक के रूप में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल निदाना, साल 2002 में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांपला और साल 2005 से सितंबर 2019 (सेवानिवृत्ति) तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना में कार्यरत रहे। करीब बीस साल उन्होंने अंग्रेजी मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य किया।

अध्यापन के दौरान उन्होंने एम.ए.(पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), एम.ए.(अंग्रेजी) और एमएड. की परीक्षाएं महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक से उत्तीर्ण की। दरअसल उनका परिवार भारत विभाजन के बाद अमृतसर और उसके बाद कुरुक्षेत्र से जिला रोहतक में आकर बस गया। उनके परिवार में किसी प्रकार का कोई साहित्यिक माहौल नहीं था। सन 1978 में कॉलेज समय के दौरान उन्होंने पहली कविता लिखी और हिंदू कॉलेज रोहतक की तरफ से उन्होंने गॉड कॉलेज रोहतक में काव्य पाठ प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब वह अंग्रेजी परीक्षा की तैयारी अपने गांव के पास नहर पर स्थित एक पेड़ के नीचे बैठकर कर रहे थे कि अचानक लगभग 5 फीट लंबा कोबरा सांप उनके सामने से गुजरा और सीधा नहर से पानी पीकर वापस उनके आगे से ही गुजर गया, लेकिन उसने उसे कोई हानि पहुंचाई। बकौल कृष्ण लाल, यहां से उन्हें एक संदेश मिला, जो कि जॉन मिल्टन ने भी कहा कि वह अंधा हो गया है, लेकिन परमात्मा ने उन्हें लेखन कार्य दिया है वह तो उन्हें करना ही पड़ेगा, वरना आगे उसके दरबार में वह क्या जवाब देगा। इस प्रकार उन्हें अंदर से ही एक प्रेरणा मिली और फिर कलम उठाकर लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सन 1995 में राज्य शिक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के जनसंख्या विभाग में मेरी दो हिंदी कविताएं प्रकाशित हुई। मार्च 2007 में 'मैं विकलांग नहीं हूं' शीर्षक कविता प्रकाशित हुई। साहित्यिक साधना में उनकी रचनाओं का फोकस पर्यावरण, सामाजिक कुरीतियों, मनुष्य का व्यवहार, मानवता, दया, सत्य, प्रेम करूणा आदि के भाव रहे है। अभी तक लगभग 60 हिंदी कविताएं प्रकाशित हैं और 100 कविताओं के कविता संग्रह पर काम जारी है। हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने करीब 67 कविताएं लिखी, जिनमें से एक है 'शहर मह ताईं' जो कि पर्यावरण पर कुठाराघात है, जो एनसीईआरटी गुड़गांव में भाषा प्रशिक्षण सेमिनार में सन 2005 में प्रस्तुत की गई। साहित्य साधना के अलावा कृष्ण लाल सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं, जिन्होंने कोरोना काल के दौरान अज्ञात किडनी रोगी को स्वैच्छिक प्लाज्मा दान करके मानवीय भाव को प्रकट किया और समाज को जागरुकता के लिए महामारी के दौर में प्रकृति पोषण और मनुष्य और प्रकृति को लेकर कविताएं भी लिखी। भारत विकास परिषद जैसी सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कृष्णलाल के लेख, कविताएं और विभिन्न पत्रिकाओं में भी प्रकाश होते आ रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्णलाल गिरधर की प्रकाशित अंग्रेजी भाषा की छह पुस्तकों में फीलिंग फेदर्स, लाइफ (लिव, लव, लाफ़), लव एंड पीस तथा मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स सुर्खियों में हैं। वहीं उनकी दो पुस्तकें नेचर नचर्स और मैन एंड नेचर कोरोना काल के दौरान लिखी गई, जबकि दो पुस्तकें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबन्धित प्रकाशित हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंदी साहित्य में करीब सौ कविताएं लिखी, जिनका संग्रह जारी है। उन्होंने 67 कविताएं हरियाणवी में लिखी हैं।

कृष्ण लाल गिरधर

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर को उनकी पुस्तक पर मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक से राज्यपाल पुरस्कार मिल चुका है। वहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी साहित्य के करीब 75 सम्मान पत्र (सर्टिफिकेट) मिले हुए हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी से भी उन्हें पुस्तक मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स के लिए पुरस्कृत किया गया। हरियाणा राज्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम ने भी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण लाल गिरधर
जन्मतिथि :12 सितंबर 1961
जन्म स्थान : गांव-मदीना (रोहतक)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी),एम.ए. (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन),एम.एड
संप्रति : सेवानिवृत्त प्रवक्ता (अंग्रेजी), लेखक, साहित्यकार, कवि

ऊर्जा देती है 'नई सोच के नये पंख'

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

पुस्तक: नई सोच के नये पंख
कवि : हरीश चंद्र झंडई
मूल्य: 250 रुपये
प्रकाशक: बोधि प्रकाशन

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरीश चंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'नई सोच के नए पंख' पाठकों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। इस संग्रह की रचनाएं नया करने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ वर्तमान के बदलते युग और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करती हैं। यूं तो आज का मानव हर क्षेत्र में तरक्की कर चुका है, परन्तु इन सबके बीच कहीं न कहीं मानवता का ह्रास हो गया है।

डॉ. झंडई की पूर्व प्रकाशित संग्रह नये रास्ते नई डगर, नई सोच के नये रंग, नया सवेरा में भी युवा पीढ़ी को कुछ नया करने का संदेश देते रहे हैं। प्रस्तुत संग्रह की शीर्षक कविता के माध्यम से भी कवि पाठकों को जीवन की तमाम चुनौतियों के बीच, संकीर्ण विचारों को छोड़कर नई उड़ान भरने का आह्वान करता है। जब इंसान नई सोच रखता है, तभी वह बाधाओं पर पार पा सकता है।

'नई सोच के नये पंख' में कुल 80 कविताएं हैं। इन कविताओं में रचनाकार ने भारत के इतिहास से लेकर विश्व की वर्तमान अवस्था, युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया, गिरते मानवीय मूल्यों जल संकट, पर्यावरण प्रदूषण, सता लोलूपता और नारी-विमर्श प्रधानता दी है। इतना ही नहीं कवि ने अपने संग्रह की अंतिम कविता 'प्यार की जिंदगी पत्नी है' में जीवन में पत्नी के महत्व को बहुत सुंदर शब्दो में पिरोया है। नई दुनिया में कवि ने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की है जिसमें अहंकार, जात-पात की भावना न हो बल्कि संस्कारों की भावना, मानवता और रिश्तों का सम्मान हो। संकट के मुहाने पर खड़ी दुनिया' के माध्यम से कवि ने दुनिया में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के खतरे के प्रति आगाह किया है। 'लौट आये मेरा बचपन' कविता के मानवीय रिश्तों के टूटने का दर्द उभारा है कि किस तरह बचपन हंसता खेलता था और आज परिवार के बुजुर्गो में एकाकीपन है और खुशियों के पर अब नहीं मिलते हैं। आया राम गया राम की बेला' आज की राजनीति की हकीकत बयां करती है। डॉ. हरीश चन्द्र झंडई ने महिला सशक्तीकरण पर भी लेखनी चलाई है। इसमें बेटी की आगे बढ़ने की चाह को उजागर करती कविता के साथ-साथ बेटियों को मजबूत बनने का आह्वान किया है। इसके साथ ही 'मनकों की माला को बिखरने न दो' समाज को एकजुट रहने का संदेश देती है। जिन्दगी है संघर्ष की तपिश हार न मानने और संघर्ष करने का आह्वान है। कुल मिलाकर डॉ. हरीश चन्द्र झंडई 'नई सोच के नये पंख' के माध्यम से अपना संदेश देने में सफल रहे हैं। पुस्तक का आवरण भी प्रशंसनीय है।

खबर संक्षेप

सरकारी स्कूल में प्रवेश उत्सव कल

जींद। राजकीय वमावि नंदगढ़ में एक अप्रैल को प्रवेश उत्सव को धूमधाम से मनाया जाएगा। पहवन-यज्ञ में छात्र व छात्राओं द्वारा आहुति दी जाएगी। प्राचार्य राजबीर रेढू ने बताया कि सरकारी स्कूलों में छात्र व छात्राओं की दाखिला संख्या बढ़ाने एवं सरकारी स्कूलों में छात्र, छात्राओं को दी जानी वाली उपलब्ध सुविधाएं बारे जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।

प्लाट से दो सौ लीटर लाहण बरामद, केस

जींद। गढी थाना पुलिस ने गांव रसीदां प्लाट में छापेमारी कर 200 लीटर लाहण बरामद की है। छापेमारी की सूचना मिलने पर आरोपित फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गढ़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव रसीदां निवासी विक्की अपने प्लाट में कच्ची शराब निकालने की तैयारी में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने प्लाट में छापेमारी की तो वहां से 200 लीटर लाहण बरामद हुई।

नौ वर्षीय बालिका से अश्लील हरकत, केस

जींद। जुलाना थाना इलाका गांव में दुकान पर सामान लेने गई नौ वर्षीय बालिका के साथ दुकानदार द्वारा अशील हरकत करने का मामला सामने आया है। जुलाना थाना पुलिस ने बालिका की मां की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट, अशील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कालेज के लिए निकली युवती लापता, केस दर्ज

जींद। गांव बिघाना से कालेज के निकली युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर अलेवा थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव बिघाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 19 वर्षीय बेटी अलेवा कालेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। गत दिवस वह हर रोज की भांति घर से कालेज के निकली थी। जिसके बाद वह घर वापस नही लौटी।

किसान सभा ने चलाया संपर्क अभियान

नरवाना। अखिल भारतीय किसान सभा के नारे ए गांव गांव में किसान सभा ए किसान सभा में हर किसान एको हक़ीक़त में जमीं पर उतारने के लिए महाभारत में मुरली वाले की तरह हमारी कर्मभूमि खरल में कमान संभाली है स्वयं मास्टर बलबीर सिंह राज्य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा ने ताकि अपने संगठन को हरियाणा में और अधिक मजबूती दी जा सके और किसानों को वैचारिक रूप से मजबूती प्रदान की जा सके ।

भाविप ने हिंदू नव वर्ष पर भंडारा लगाया

जींद। भारत विकास परिषद भूतेश्वर शाखा द्वारा हिंदू नव वर्ष एवं पावन नवरात्रि के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भक्तिभाव से कार्यक्रम में सहभागिता की। शाखा अध्यक्ष नारीश रोहिल्ला ने कहा कि भारत विकास परिषद सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को लेकर समाजहित में कार्य करती है।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

अलेवा। भोंसला गांव के एसएम पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य इति गर्ग ने की तथा मुख्य रूप से अलेवा ब्लाक समिति अध्यक्ष राहुल नगूरां ने भाग लिया। मंच संचालन स्कूल प्रबंधक कुलदीप सैनी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष सत्यवीर सैनी तथा ब्लाक समिति अध्यक्ष राहुल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

मिड-डे-मिल वर्कर्स ने की वेतन में वृद्धि की मांग

जींद। पंजाबी धर्मशाला में मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा के पांचवें राज्य सम्मेलन के अवसर पर खुला अधिवेशन शुरु हुआ। इसमें राज्यभर की मिड-डे मील वर्करों व अन्य जनसंगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था।

पार्कों को नया रूप देने की कवायद

पार्कों का नवीनीकरण जींद के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : डा. सैनी

नप शहर की हरियाली और सौंदर्य सुधार की दिशा में उठा रही कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद शहर में इन दिनों एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है और यह बदलाव पार्कों के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण के रूप में सामने आया है। इस परिवर्तन का श्रेय जाता है नगर परिषद जींद की चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी को। जिन्होंने अपनी पहल से जींद के पार्कों की दशा और दिशा को बेहतर बनाया है। पार्कों का नवीनीकरण केवल उनके बाहरी रूप को सुंदर बनाने तक सीमित नही था बल्कि इसके साथ ही वहां बेहतर सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। अब जींद के पार्कों में साफ.-सुथरे रास्ते, बेंच, खेल के मैदान, ओपन जिम, पगडंडी और टॉयलेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं जो इन पार्कों को न केवल आकर्षक बनाती हैं बल्कि उपयोगकर्ताओं के लिए आरामदायक व सुविधाजनक भी बनाती हैं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डा. अनुराधा सैनी ने पार्कों को गोद देने की योजना शुरू की। जिसके तहत रजिस्टर्ड संस्थाओं को पार्कों का रखरखाव सौंपा गया है। इस पहल से न केवल पार्कों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है बल्कि स्थानीय समुदाय को भी इसमें शामिल किया गया है। आजकल जींद के लोग इन पार्कों की सफाई और रखरखाव में भागीदारी निभा रहे हैं। जिससे समाज में सामूहिक जिम्मेदारी का अहसास होता है। पार्कों के इस नए रूप में पर्यावरण को भी ध्यान में रखा गया है। पार्कों में अधिक से अधिक पेड़ लगाए गए हैं और उनका ठीक से रखरखाव किया जा रहा है। जिससे ये पार्क हरे-भरे और स्वच्छ दिखाई देते हैं। इसके अलावा पार्कों का डिजाइन भी पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक और व्यवस्थित है, जो न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। इस बदलाव का असर न केवल जींद शहर के निवासियों पर पड़ा है बल्कि यह शहर की छवि को भी बेहतर बना रहा है। डा. अनुराधा सैनी की इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि यदि प्रशासन और नागरिक मिलकर काम करें तो किसी भी शहर को एक आदर्श और सुंदर स्थान बनाया जा सकता है।

जींद। शहर के पार्कों में छाई हरियाली।

सुधार एक नया संदेश दे रहा

नगर परिषद अध्यक्ष डा. अनुराधा सैनी ने कहा कि पार्कों का नवीनीकरण जींद के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब जींद के पार्क न केवल मनोरंजन के स्थल हैं बल्कि पर्यावरण और समाज के लिए भी एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। डा. अनुराधा सैनी की इस पहल से यह साबित होता है कि शहरों के विकास में छोटे-छोटे बदलाव भी बड़े प्रभाव डाल सकते हैं। जींद शहर की हरियाली और सौंदर्य में यह सुधार एक नया संदेश दे रहा है कि हम सभी मिल कर अपने शहर को सुंदर और हरियाली से भरपूर बना सकते हैं।

वातावरण स्वच्छ -मनमोहक

नप अध्यक्ष प्रतिनिधि डा. राज सैनी ने कहा कि इस बदलाव का सबसे अच्छा पहलू यह है कि इन पार्कों में सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार किया गया है। अब लोग इन पार्कों में बिना किसी डर या चिंता के आ-जा सकते हैं। जिससे पार्कों में परिवारों और बच्चों का आना-जाना बढ़ा है। इसके अलावा यहां अब जॉगिंग और पिकनिक जैसी गतिविधियाँ भी किए जा सकते हैं। जिससे इन पार्कों का उपयोग और भी बढ़ गया है। इसके साथ ही पार्कों के आसपास रहने वाली महिलाएं कीर्तन आदि भी करने लगी हैं। क्योंकि वहां का माहौल ओर वातावरण स्वच्छ और मनमोहक होता है।

मंदिरों में गूंजे माता के जयकारे

- प्रथम दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

रविवार को शुरू हुए प्रथम नवरात्रे पर नगर के मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए जयघोषों से नगर के वातावरण को पुरी तरह भक्तिमय बना दिया। सुबह चार बजे से ही दुर्गा मंदिर, भद्रकाली मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर, गांव में स्थित बाबा बहादुर बण मंदिर में भक्तों ने पहुंचकर पूजा अर्चना कर मां जगदम्बे भवानी से मंगल कामना की प्रार्थना की। नवरात्रों के पावन अवसर पर मंदिरों को खूब सजाया गया है। नवरात्रे के प्रथम दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा तथा मंदिर में चल रहे भक्ति गीत माहौल को ओर भी भक्तिमय करने में सहायक सिद्ध हो रहे थे। श्रद्धालुओं द्वारा नवरात्रों के प्रथम दिन नवदुर्गा में प्रथम रूप में शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। आचार्य जीवन शास्त्री ने बताया कि मां के बारे में ब्रह्मा जी ने स्वयं मार्केंडेय जी से कहा कि देवी शैल पुत्र गिरी राज हिमालय की पुत्री पार्वती देवी है। राम भगत हरित ने बताया कि घोर तपस्या के बाद पार्वती ने हिमालय की पुत्री बनना स्वीकार किया था। पूर्व जन्म में यह प्रजापति दक्ष के यहां पुत्री के रूप में पैदा हुई जहां इन्हें सती के रूप में जाना जाता था। उस जन्म में ये शंकर जी की धर्मपत्नी थी।

राजौंद। प्रथम नवरात्रे पर मंदिर में कीर्तन करती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

कैथल। खिलाड़ियों को सम्मानित करते पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

मेडल लेकर लौटी खिलाड़ियों का स्वागत

कैथल। खो खो इंडिया और खो खो हरियाणा के द्वारा आयोजित जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप झांसा कुरुक्षेत्र में 24 से 29 मार्च 2025 तक जिसमें हरियाणा प्रदेश की दोनों टीमों ने लड़के और लड़कियां गोल्ड मेडल प्राप्त कर हरियाणा प्रदेश का नाम राष्ट्रीय लेवल पर चमकाने का कार्य किया है। हरियाणा प्रदेश की लड़कों की टीम में हरसोला जिला कैथल के चार खिलाड़ी आशीष सरबजीत और अंकुश व अजय तथा जिला कैथल से तीन लड़कियां ने हरियाणा प्रदेश की तरफ से खेलते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। गांव के खेल प्रेमियों व ग्राम पंचायत ने आज ढोल धमाके और बच्चों के स्वागत का के लिए डीजे आदि बजाकर बच्चों का वेलकम किया और वहीं खेल विभाग की तरफ से और गांव की तरफ से गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

संतों के दिखाए मार्ग को अपनाएं : मुसाफिरानन्द

राजौंद। कॉल मानव उत्थान सेवा समिति कैथल शाखा राजोंद हरियाणा द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर दो दिवसीय सद्भावना संत सम्मेलन सत्संग समारोह का आयोजन महात्मा अनुरक्ति बाई जी के दिशा-निर्देशन से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा मुसाफिरानन्द (एटा उत्तर प्रदेश) जी का आगमन हुआ। सन्त महात्माओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महात्मा जी ने कहा कि जैसे भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को ज्ञान दिया था और कहा था कि मेरे शरण मैं आने पर मैं तुम्हें सब पापों से मुक्त कर दूंगा। इसी नाम को जानकर अपने जीवन का उद्धार करें। महात्मा जी द्वार 84 लाख योनि में भटकने से बचने के लिए ज्ञान उपदेश के बारे में प्रेमी भगतो को बताया गया ताकि इंसान आत्मा का कल्याण कर सके। इस अवसर पर जिला कैथल आश्रम के प्रधान-संदीप धनौरी, राजकुमार मंडल प्रमुख, मदन लाल, मुकेश रोहेरा, सुरेश मौजूद रहे।

नवर्ष की महानता से अवगत करवाया

कैथल। भारतीय संस्कृति की प्राचीनता और उसकी वैज्ञानिकता को उजागर करने के उद्देश्य से अरकेएसडी कॉलेज के सामने स्थित दिव्या ज्योति जागृति संस्थान, प्रोफेसर कॉलोनी, कैथल में भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्व श्री आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी पलक भारती ने प्रवचन देते हुए वहां उपस्थित प्रभु भक्तों को भारतीय नववर्ष की महानता से अवगत कराया। साध्वी पलक भारती जी ने कहा कि आमतौर पर लोग 1 जनवरी को नववर्ष के रूप में मनाते हैं, लेकिन भारतीय संस्कृति और पंचांग के अनुसार यह नववर्ष नहीं है, बल्कि यह केवल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित अंग्रेजी नववर्ष है। उन्होंने बताया कि भारतीय विक्रम संवत के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को ही नववर्ष का

कैथल। प्रवचन करते साध्वी पलक भारती। फोटो :हरिभूमि

जींद। पहले नवरात्र पर सजा माता भ्रामरी दरबार। फोटो :हरिभूमि

सरकार ने जारी किया ये आदेश

जींद। रविवार से प्रारंभ हुए नवरात्र के पहले दिन देवभूमि बनमौरी स्थित माता भ्रामरी धाम पर मनोकामना पूर्ति के लिए पूजा अर्चना श्रद्धालुओं ने की। घर में अखंड ज्योत नवरात्र में प्रज्जवलित करने के लिए भ्रामरी धाम से पैदल ज्योत भी श्रद्धालु लेकर आए। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडने लगी। पूरे नवरात्र देश के कौने-कौन से श्रद्धालु भ्रामरी धाम पहुंच कर मनोकामना पूर्ति के लिए पूजा-अर्चना करते है। पुजारी सुरेश कौशिक ने बताया कि साल में दो बार नवरात्र में देश के कौने-कौने से श्रद्धालु पूजा-अर्चना को आते है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशान पूजा.अर्चना में न हो इसको लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए है। इस मौके पर रमेश कौशिक, रामनिवास कौशिक, पुलकित कौशिक, अमन कौशिक मौजूद रहे।

आर्य समाज सफीदों का वैदिक सत्संग संपन्न

सफीदों। आर्य समाज सफीदों के तत्वावधान में रविवार को मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष आर्य समाज सफीदों के प्रधान यादविंद्र बराड़ व संचाजन मंत्री संजीव मुआना ने किया। कार्यक्रम में भजनोपदेशिका बहन तन्नू आर्या व स्वामी धर्मदेव महाराज ने पहुंचकर आर्य समाज के विचारों की अलख जगाई। प्रातःकाल आयोजित विशाल हवन यज्ञ में पहुंचकर श्रद्धालुओं ने आहुतियां डाली। उसके उपरांत प्रवचन व सत्संग का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में स्वामी धर्मदेव महाराज ने कहा कि आर्य समाज का उद्देश्य संसार का उपकार करना है। यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और पर्यावरण स्वस्थ होता है। इसलिए हर व्यक्ति को अपना जीवन याज्ञिक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार में ईश्वर, जीव और प्रकृति ही सत्य हैं और इन तीनों के बारे में विस्तृत जानकारी देना ही सत्संग कहलाता है।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते स्वामी धर्मदेव महाराज व भजनोपदेशिका बहन तन्नू आर्या।

जींद। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सात दिवसीय एनएसएस कैंप संपन्न

जींद। छोटूराम किसान महाविद्यालय में चल रहा सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप का समापन किया गया। मंच का संचालन डा. सत कुमार के द्वारा किया गया। यह सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का कैंप स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, योग व पर्यावरण पर केंद्रित रहा। सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों द्वारा इस कैंप के दौरान श्रमदान भी किया गया व जनहित के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए सरकार का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य डा. कुलबीर रेढू द्वारा सभी विद्यार्थियों को अपने सांस्कृतिक मूल्यों को धरोहर की तरह अपने जीवन में ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रमेश सुदकैण कलां व सुमन देवी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को मेडल पहना कर प्रोत्साहित किया गया। उनके द्वारा सभी विद्यार्थियों को जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आदर्श व्यक्तित्व अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में वृद्धों को सम्मानित करते मुख्यातिथि कैप्टन योगेश बैरागी।

स्कूल में 350 वृद्धों को किया सम्मानित

जुलाना। जुलाना कस्बे के आदर्श स्कूल में वृद्ध सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 350 वृद्धों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम विश्वास राष्ट्र प्रगति सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसाइटी की चेयरपर्सन डा किरण शर्मा ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा प्रत्याशी और भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष कैप्टन योगेश बैरागी ने शिरकत की। इसके अलावा योगी संजीव नाथ, विजय मोर, डा. पुष्पा तायल और कविता शर्मा ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि हमें बुजुर्गों का पूरा मान-सम्मान करना चाहिए। बच्चों को चाहिए कि वो अपने माता-पिता और दादा-दादी के पास बैठें ताकि उन्हें संस्कार मिल सकें। संस्कार केवल बुजुर्गों से ही मिल सकते हैं।

बच्चों ने राष्ट्रपति भवन का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया। स्कूल के 50 बच्चों का एक दल नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन को देखने के लिए गया। जहां उन्होंने राष्ट्रपति भवन की भव्यता व सुंदरता से अभीभूत उन सभी भवनों हाल को देखा। जहां महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होते हैं। उन्होंने गणतंत्र मंडप में सरयू हा, अशोका हाल और 15 एकड़ में फैले हुए अमृत उद्यान को देखा। जिसमें विभिन्न प्रकार के फूलों की छटा देखते ही बनती है। इसमें आध्यात्मिक बाग, संगीत बाग, सर्कुलर गार्डन इत्यादि का भ्रमण किया। बच्चे विशेष रूप से दिव्यांगों द्वारा तैयार स्टॉल, वेस्ट और बेस्ट तथा अन्य क्रिएटिव चीजों को देखकर प्रेरित हुए। कार्यक्रम की संचालक अनू बुरा के अनुसार यह एक शैक्षिक टूर था जो अपने उद्देश्य में अत्यधिक सफल रहा है।

इस टूर से बच्चों के ज्ञानवर्धन तथा राष्ट्रीय परंपराओं की जानकारी मिली। बच्चों को राष्ट्रपति भवन की ओर से एक संचयिका भी प्रदान की गई। बच्चों ने इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के दर्शन किए तथा इंडिया गेट पर लिखे हुए वीर शहीदों के नाम देख कर रोमांचित हुए। उनमें देशभक्ति का भाव पैदा हुआ। स्कूल की तरफ से सभी के भोजन रिफ्रेशमेंट इत्यादि का विशेष प्रबंध किया गया था।

जींद। राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

कॉलेज की साफ सफाई की

नरवाना। 24 मार्च से सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का रविवार को समापन हो गया। शिविर के अंतिम दिन की शुरुआत में सभी स्वयंसेविका छात्राओं ने मंच पर शिविर के दौरान अपने अनुभवों को सांझा किया। छात्राओं ने बताया कैसे उनके मन में समाज के प्रति निस्वार्थ मदद की भावना जागृत हुई। छात्राओं ने देशभक्ति गानों पर नृत्य व राधा कृष्ण के भजनों का गायन भी किया। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने मिलकर कॉलेज की साफ सफाई की। दोपहर सत्र के पश्चात कॉलेज की प्रबंधन समिति के सचिव जियालाल गोयल और उप प्रधान राजकुमार गोयल ने समापन समारोह में शिरकत की। एन एस एस की छात्राओं ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। मंच संचालन कल्पना चावला सदन की स्वयं सेविकाओं ने किया।

एक्टिव थियेटर एण्ड वैलफेयर सोसाइटी का तीन दिवसीय नाट्य महोत्सव शुरू

लयो घियो नुं भंडा नाटक का शानदार मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एक्टिव थियेटर एण्ड वैलफेयर सोसाइटी जीन्द द्वारा अपना सातंवा तीन दिवसीय नवरस राष्ट्रीय नाटय उत्सव का हर्षोउल्लास के साथ दिवान बाल कृष्ण रंगशाला में शुभारंभ हुआ। पहले दिन सार्थक रंगमंच पटियाला ने हॉय हैंडसम का पंजाबी रूपांतरण कर लयो घियो नुं भंडा नाटक का शानदार मंचन हुआ। जिसका निर्देशन डा. लख्खा लहड़ी ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यअतिथि सुभाष श्योराण निदेशक इंडस शिक्षण संस्था, डा. राजेश गर्ग, रचना श्योराण, रवींद्र कुमार प्राचार्य मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कुल, मंगतराम शास्त्री, नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएडा. राजेश भोला, डा. सुरेश जैन, प्रवीण दुग्गल, रंगकर्मी रमेश भनवाला ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। मुख्यअतिथि सुभाष श्योराण ने कहा कि नाटक हमारे जीवन की लाइफ लाइन है। इस नाट्य उत्सव का मुख्य थीम पीस है। जिससे समाज में सकारात्मकता का संदेश जाता है। नाटक समाज का आइना होता है व जो भी घटना समाज में घटीत होती है, रंगमंच के कलाकार उसको आत्म विश्वास के साथ मंच पर प्रस्तुत करते हैं। नाटको से समाज में सकारात्मक सोच का निर्माण होता है। हमारी युवा शक्ति में राष्ट्र प्रेम व उच्च स्तर के संस्कारों का निर्माण करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा. राजेश गर्ग ने कहा कि यह राष्ट्रीय नाट्य उत्सव हमारे अंदर एक नया जोश भरता है व अवसाद को कम करता है। नाटक हमें संवेदनशील बनाता है तथा बुरे कर्म करने से रोकता है। ऐसे नाट्य उत्सव लगातार होने चाहिए। रंगकर्मी रमेश कुमार ने बताया कि नाटक की शुरूआत परिस्थिति अनुसार हास्य व्यंग से होती है। वर्तमान युग के दौर में गंभीर मुद्दों को भी हल्के-फुल्के अंदाज में कलाकारों ने प्रस्तुत किया। नई पीढ़ी का अपने कैरियर बनाने की चाह में मानवीय मूल्यों को भूल कर अपने माता-पिता की उपेक्षा करना, उन्हें अकेलेपन की आग में डूबने के लिए छोड़ देना, दब्बू और गुलाम जैसे पति का अपनी आधुनिक पत्नी के सामने रोना-धोना और उनकी सारी बेतुकी बाते मानना। समझदार नौकर का अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना और अपना रवैया दिखाना, तथा बुजुर्गों का अपने अकेलेपन को समाप्त करने के लिए एक विशेष उम्र में भी एक साथी की तलाश करना।

जींद। नाट्य उत्सव का शुभारंभ करते इंडस निदेशक सुभाष श्योराण।

नरवाना। पौधे रोपित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सेवानिवृति पर किया पौधारोपण

नरवाना। राजकीय कालेज एवं राजीव गांधी सनातन धर्म महिला कालेज नरवाना में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन अभियान दादा पोता वाटिका में प्रो लाल सिंह ने सेवानिवृति एवं नव वर्ष के उपलक्ष में बड़ए पीपलए नीम एबेलपत्रए पीलखन जामून और अमरूद के पौधों का प्रत्यारोपण किया। बताया लाल सिंह ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या और तथाकथित विकास ने पर्यावरण के लिए गंभीर सकंट उत्पन्न कर दिया। जहरीले रसायनों से भूताप वृद्धि होने से हिमालय एवं ध्रुवीय क्षेत्रों की लाखों घन मीटर बर्फ पिघल रही है ।इसका दुष्प्रभाव तटीय क्षेत्र की वनस्पति एवं जीव जंतुओं पर पड़ रहा है। भूस्खलनए भूकंपए अकालए बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाएं दिन प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है।इस अवसर पर कार्यक्रम संचालक जयपाल सिंह आर्य ने कहा कि वैदिक नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उपलक्ष में यज्ञ .हवन और पौधारोपण करना भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है।

खबर संक्षेप

छात्र अधिक करें मेहनत ताकि भविष्य हो उज्जवल

अलेवा। नगूरां गांव के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य कोमा रानी ने की। इस अवसर पर पूर्व वर्ष अलग-अलग गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों को प्रधानाचार्य ने स्कूल स्टाफ के साथ मिल कर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम भी घोषित किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य ने छात्राओं को भविष्य में और अधिक मेहनत करने की पे्ररणा दी ताकि उनका भविष्य उज्जव हो सके। इस अवसर पर राजेश कुमार, उषा गुप्ता समेत अनेक अध्यापक उपस्थित थे।

नपा ने लगाई कपड़े के थैले वाली मशीन

जींद। उचाना नगर पालिका द्वारा शहर में कपड़े के थैले वाली मशीन लगाई हैं। सार्वजनिक स्थानों पर ऐसी मशीनें लगाने की योजना है। नपा का उद्देश्य निवासियों को प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग के उपयोग से बचाना है। मशीन में पांच रुपये का सिक्का डालने के बाद मशीन काम करना शुरू कर देगी। नपा सचिव अरविंद कुमार ने कहा कि पांच रुपये का सिक्का डालने के बाद उसमें से कपड़े का थैला निकलेगा। प्रत्येक थैला लगभग पांच-छह किलो का भार सहन कर सकता है। एक मशीन में 50 थैले रखने की क्षमता है। नपा द्वारा शहर में प्लास्टिक की थैलियां रोकने की पहल की गई है।

नए विक्रम संवत पर करवाया सामूहिक हवन

सफीदों। भारत विकास परिषद् मंडी शाखा सफीदों द्वारा नए विक्रमी संवत 2082 के अवसर पर नगर की पुरानी अनाज मंडी में एक विशाल सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष संजीव दीवान व संचालन उमेश दीवान ने की। इस अवसर पर पद्मश्री श्री महावीर गुड्डू विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर आयोजित हवन में दर्जनों श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालकर समाज की सुख-शांति की कामना की।

प्रजापति धर्मशाला बनाने की बैठक में उठी मांग

सफीदों। कुम्हार संगठन हरियाणा सभा सफीदों की एक बैठक रविवार को नगर के नागक्षेत्र पार्क में संपन्न हुई। बैठक में इलाके के कुम्हार समाज ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता रामधन प्रजापति मुआना तथा संचालन भजन जयपुर में किया। इस मौके पर कुम्हार समाज के वरिष्ठ प्रचारक महेंद्रपाल बंसीवाल ने विशेष रूप से शिरकत की। प्रजापति समाज को गांव-गांव जाकर जागरूक करने के लिए प्रचारक महेंद्रपाल बंसीवाल का जोरदार अभिनंदन किया गया।

बाजारों में उमड़ी भीड़, दुकानदार दिखाई दिए खुश

चैत्र नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, मांगी मन्नतें

मंदिर कमेटी प्रबंधकों द्वारा किए गए पुख्ता प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन रविवार सुबह शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा तथा मां शैलपुत्री के दर्शन कर सुखी जीवन की कामना की। अल सुबह से ही श्रद्धालु जयंती देवी मंदिर सहित अन्य शहर के प्रसिद्ध मंदिरों में लंबी लाइन लगनी शुरू हो गई थी। माता के दर्शनों के लिए महिलाओं की संख्या अधिक थी। नवरात्रों में मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रख कर मंदिर कमेटी द्वारा सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। मंदिर प्रबंध समिति ने महिला तथा पुरूषों के लिए मंदिर प्रांगण में बेरीकेटिंग की गई है। इस दौरान मंदिर की भव्य सजावट की गई। वहीं प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टिि से पुलिस की चौकसी की गई थी। जयंती मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो, इसके लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।

जींद। जयंती देवी मंदिर में पूजा करते हुए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

बाजारों में रौनक

नवरात्र के कारण दिनभर बाजार में रौनक रही। लोगों ने पूजापाठ सहित घरेलू सामानों की जमकर खरीदारी की। ग्राहकों की भीड़ रहने से पूजा-पाठ कपड़े, बर्तन आदि के दुकानदारों में खुशी का माहौल था। लोग चुनरी, नारियल, पूजा का सामान खरीद रहे थे। ऐसा माना जाता है कि नवरात्र पर्व पर लोग जमकर खरीददारी की।

जयंती मंदिर में हवन से किया हिंदू नव वर्ष का शुभांरभ

नवरात्रों के शुभांरभ पर महाभारत कालीन राजकीय जंयती देवी मंदिर में रविवार को जयंती यज्ञ का शुभारंभ किया गया है। इस दौरान मंदिर प्रांगण में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन परोसा गया। मंदिर पुजारी नवीन कुमार शास्त्री ने बताया कि नवरात्रों के दिनों में मंदिर प्रागंण के अंदर हर वर्ष कन्या पूजन और प्रतिदिन हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है। मां जंयती की कृपा जींद ही नहीं अपितु समस्त संसार के प्रत्येक प्राणी पर बनी रहे, इसके लिए माता के दरबार में पूजा-अर्चना चलती है।

नवरात्र के अंतिम दिन जयंती देवी मंदिर में जागरण तथा मेले का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर के अंदर रेलिंग तथा बाहर बेरीगेट्स लगाए गए हैं। असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस सुरक्षा का प्रबंध किया गया है।

माता मनसा देवी मंदिर में आए दूर-दूर से सैकड़ों श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

नवरात्र के पहले दिन फतेहपुर देवी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। मनोकामना पूर्ण होने पर जहां भक्तों ने मां भगवती की पूजा अर्चना कर नारियल चढ़ाया वहीं कुछ भक्त मनोवंछित फल की प्राप्ति के लिए दुर्गा की उपासना व पूजा में लगे हुए थे। यूं तो कस्बे के हर मंदिर में भक्तों की भीड़ जमा थी। किसी के हाथ में आरती की थाली थी तो कोई मइया को चुनरी नारियल भेंटकर पूजा-अर्चना कर रहा था। मंदिर में नवरात्रों के दिन आज दूर-दराज व शहर से आए भक्तों ने देर शाम तक मां के दर्शन किए। माता मनसा देवी तीर्थ फतेहपुर के मुख्य पुजारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि किवंदन्ती है कि देवी मंदिर फतेहपुर में मां भगवती के दर्शन पिण्डियों के रूप में है, जो प्राचीन समय में तालाब की खुदाई करते समय प्रकट हुई थी, बाद में यह तालाब एक बहुत बड़ा विशाल तीर्थ बन गया। अब यहां पर महामाई की कृप्या से माता मनसा देवी तीर्थ सभा रजि. तन, मन व धन से कार्यरत है, जिनके अथक प्रयास से व दानी सज्जनों के सहयोग से महामाई के मंदिर प्रांगण की भव्य सुंदरता देखते ही बनती है।

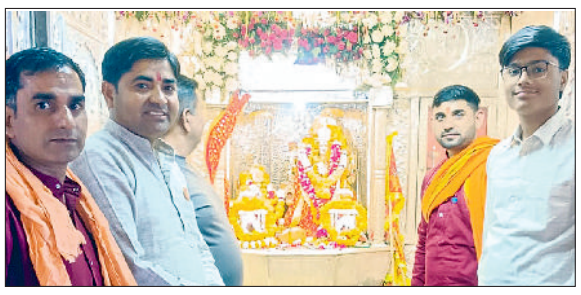

70 किमी पैदल चल लाए मां की जोत

राजौंद। खुरड़ा के लोग 70 किलोमीटर दूर बसे गांव बनभोरी में मां बनभोरी के मंदिर से पैदल चलकर रविवार को गांव की सुख शांति के लिए जोत लेकर आए। खुरड़ा के लोग गांव की सुख शांति भाईचारा व प्रेमभाव के लिए पिछले 23 वर्षों से लगातार बनभोरी मंदिर से जोत लेकर आ रहे है। गांव के कृष्ण कुमार की अगुवाई में सैकड़ों श्रद्धालु 70 किलोमीटर का सफर पैदल तय करके अखंड जोत लेकर खुरड़ा पहुंचे। गांव के पूर्व सरपंच कृष्ण ने बताया कि सैकड़ों लोग पैदल चलकर गांव बनबौरी से जोत लेकर खुरड़ा में पहुंचे तो लोगों ने अपनी आस्था व श्रद्धा का परिचय देते हुए असंध रोड़ से लेकर खुरड़ा तक 3 किलोमीटर की सड़क को पूरी तरह से साफ किया व उसके बाद ग्रामीण भी जोत के साथ मां के जयघोष लगाते हुए पहुंचे।

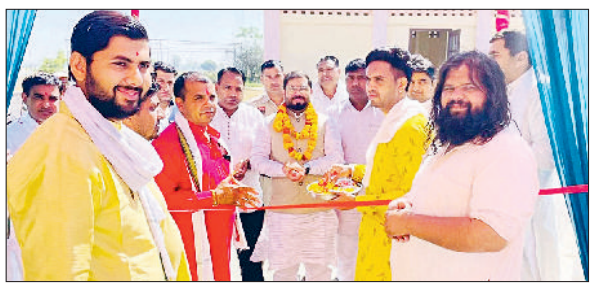

नवरात्री देवी भगवती की उपासना से मिलती है आत्मिक शक्तिः कर्मबीर कौल

ढांड। पांच गांवों की सीमाओं के बीच स्थित साध वाला कुंआ मां भगवती मंदिर में चैत्र नवरात्रों की शुरूआत जिला परिषद अध्यक्ष कर्मबीर कौल ने विधिपूर्वक मां भगवती की उपासना के साथ की और महंत बाबा दूधादारी रामगिरी का आशीर्वाद लिया। मंदिर को फूलों के साथ सजाया गया। इस अवसर पर कर्मबीर ने चैत्र नवरात्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चैत्र नवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है,जो हर वर्ष विशेष रूप से श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह नौ रातों और दस दिनों का पर्व है। जिसमें देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। उन्होंने कहा कि चैत्र नवरात्रि का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्व होता है। नवरात्री देवी भगवती की उपासना के माध्यम से आत्मिक शक्ति, मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने का एक अलभ्य अवसर होता है।

दिव्यांगों के लिए कई फैसले हुए

- कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि दिव्यांगों का हित एवं कल्याण के प्रति मौजूदा राज्य सरकार वचनबद्ध है। इस दिशा में 2014 के बाद प्रदेश में दिव्यांगों की भलाई के लिए अनेक महत्वपूर्ण फैसले राज्य सरकार द्वारा लिए गए हैं। इनमें सरकारी सेवाओं में दिव्यांगों का आरक्षण 3 से बढाकर 4 प्रतिशत किया गया है। इसके अलावा दिव्यांगता प्रमाण पत्र की पात्रता 70 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत के आधार पर की गई हैए जिससे प्रदेश के लगभग 23 हजार अतिरिक्त दिव्यांगों को लाभ मिला है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि रक्तदान की तरह अंगदान जैसे कार्यक्रमों का संचालन भी अत्यंत पूण्य का कार्य है और रोटरी क्लब इस कार्यक्रम को बेहतर तरीके से देश में ही नहीं पूरी दुनिया में चला रहा है। 1906 में रोटरी क्लब की स्थापना के बाद इस संस्था का मुख्य उद्देश्य शारीरिक एवं मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों की निस्वार्थ भाव से सेवा एवं सहायता कर उनको प्रगतिशील समाज की मुख्यधारा में जोडऩा है। कैबिनेट मंत्री ने रोटरी क्लब नरवाना को 5 लाख राशि देने की भी घोषणा की।

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री बेदी। फोटो: हरिभूमि

भाजपा जिला अध्यक्ष को सम्मानित किया

- जिला के 25 खापों के प्रधान व पदाधिकारी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जाट समाज द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल का सम्मान समारोह आयोजन किया गया। जिसमें नव हिंदू वर्ष विक्रम संवत 2082 के चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा और प्रथम नवरात्रि के उपलक्ष पर जाट समाज द्वारा आयोजित जिलाध्यक्ष के सम्मान समारोह में जींद जिले से लगभग 25 खापों के प्रधान और पदाधिकारियों द्वारा जिला अध्यक्ष तिजेंद्र ढुल को सम्मानित किया गया। जिसमें कंडेला खाप, ढुल खाप, मोर खाप, नैन खाप, ढांडा खाप, बारह खाप, कुंडू खाप, खटकड़ खाप, बूरा खाप, देशवाल खाप, श्योकंद खाप, मालिक खाप, पूनिया खाप, भानवला खाप, राठी खाप, माजरा खाप, लोहान खाप, जाटान खाप आदि। इसके अलावा जिला बार एसोसिएशन जींद और नरवाना बार एसोसिएशन के प्रधानों के द्वारा भी जिलाध्यक्ष को इस उपलक्ष में सम्मानित किया गया इसके साथ चेयरपर्सन जिला परिषद जींद और पार्षदों, हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन, विभिन्न किसान यूनियनों, आर्य समाज सभा जींद सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जींद। भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र ढुल को हल देकर सम्मानित करते हुए।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सहयोग मांगा

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का अभिनंदन करते हुए समाज की सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज का वचनबद्ध सहयोग मांगा। जिसमें सभी सामाजिक संगठनों द्वारा जिलाध्यक्ष को सहयोग की गारंटी दी। जिसमें सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सामाजिक भाईचारा और एकता, सामाजिक समानता, पारिवारिक संस्कार, वैवाहिक नैतिकता पर अपना अभिव्यक्तव्य के साथ समाज को जागृत करने हेतु आग्रह किया।

बीज एवं कीटनाशी विक्रेताओं का पारा चढ़ा

- कुठाराघाती निर्णय करार देकर खत्म करने की मांग बुलंद की
- हरियाणा में व्यापार को तहस-नहस कर देगा अधिनियम : पवन
- मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों को ज्ञापन सौंपने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

बीज एवं कीटनाशी अधिनियमों में सूबे की सरकार ने संशोधन कर अर्थदंड और कारावास के जो प्रावधान शामिल किए हैं, वह विक्रेताओं का पारा गर्म कर रहे हैं। बीज एवं कीटनाशी विक्रेताओं ने सरकार के निर्णय को उनके व्यापार पर बड़ा कुठाराघात करार देते हुए ऐसे नियमों को जड़ से खत्म करने की अपील की है। रविवार को जींद के एक होटल में जिले भर से बीज और कीटनाशी विक्रेताओं ने एक अहम बैठक की। सीड पैस्टीसाइड डीलर्स एसोसिएशन जिला जींद के प्रधान पवन गर्ग को सर्वसम्मति से तीसरी बार जिला प्रधान चुना गया और नए अधिनियम को जड़. से खत्म करवाने के लिए मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया।

जींद। जिला स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान पवन गर्ग।

नियम में कड़े प्रावधान

एसोसिएशन के जिला प्रधान पवन गर्ग ने कहा कि अधिनियम में संशोधन कर अर्थदंड एवं कारावास के प्रावधान कड़े किए गए हैं। इन कानूनों को बीज उत्पादक, विक्रेता एवं कीटनाशी निर्माता एवं विक्रेताओ की आपत्तियां सुने बिना पास किया गया। यह सरकार का एक पक्षीय निर्णय बीज व कीटनाशक उत्पादकों, विक्रेताओं का जीवन दूभर कर देगा। इससे सारा व्यापर बंद होने के कगार पर आ जाएगा। जिससे लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगें। बीज एवं कीटनाशी व्यापार ठप होने से कृषि उत्पादन भी प्रभावित होगा। हरियाणा का बीज सभी कानूनों की पालना कर तैयार किया जाता है और गुणवत्ता एवं प्रमाणीकरण में श्रेष्ठ होता है। इसलिए पड़ोसी राज्य में भी सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। पिछले वर्षों में हरियाणा में कोई भी और किसी भी प्रकार का घपला-घोटाला नहीं हुआ है।

जयकारे लगाते बनभौरी धाम रवाना

- यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारे और भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण को बना दिया भक्तिमय

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जय मां बनभौरी सेवा समिति द्वारा मां बनभौरी देवी महिमा मंगल पाठ एवं विशाल ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों महिलाओंए पुरूष और बच्चों ने भाग लिया। इस धार्मिक आयोजन में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के प्रतिनिधि राजन चिल्लाना, अग्रवाल समाज हरियाणा के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। सभी अतिथियों ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। सबसे पहले बनखंड महादेव मंदिर में बनभौरी धाम के पुजारी सोनू कौशिक और भजन प्रवाहक पंडित रमेश कौशिक द्वारा कई घंटो तक मंगल पाठ का आयोजन किया गया। जींद में पहली बार इस प्रकार के मंगल पाठ का आयोजन किया गया। मंगल पाठ के बाद दोपहर में बनखंड महादेव मंदिर से बनभौरी धाम तक विशाल शोभायात्रा और पैदल ध्वजा यात्रा निकाली गई।

जींद। बनभौरी यात्राद्ध रू यात्रा को रवाना करते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

उल्लास योजना के तहत द्वितीय चरण की हुई परीक्षा

- 317 परीक्षा केंद्रों पर करवाई गई परीक्षा, लगभग चार हजार अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

शिक्षा विभाग की ओर से 15 से 80 वर्ष के निरक्षर शिक्षार्थी को जोडऩे के लिए उल्लास योजना के तहत द्वितीय चरण की परीक्षा जिले के 317 परीक्षा केंद्रों पर करवाई गई। रविवार को लगभग चार हजार अभ्यर्थियों ने यह परीक्षा दी है। परीक्षा का समय सुबह दस बजे से लेकर शाम पांच बजे तक रहा। इसमें 15 साल से अधिक उम्र के व्यवस्क अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जल्द ही दूसरे चरण की परीक्षा का परिणाम घोषित होगा। जबकि विभाग की ओर से पिछले साल सितंबर माह में पहले चरण की परीक्षा जिले के सभी 724 राजकीय स्कूलों में करवाई गई थी। पहले चरण की परीक्षा में 18 हजार 295 शिक्षार्थी उत्तीर्ण हुए थे। उल्लास कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी के लिए शिक्षा लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। वालंटियर शिक्षक सर्वे कर रहे हैं और घरों में ही शिक्षार्थी को पढ़ा रहे हैं। भारत सरकार ने 2022 से पांच साल की अवधि के लिए न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम नामक उल्लास नामक केंद्र प्रायोजित योजना शुरू की।

जींद। परीक्षा देने आए परीक्षार्थी। फोटो: हरिभूमि

जागरण में भ्रूणहत्या न करने व बेटी को पढ़ाने की दिलाई शपथ

जय मां, ऊंचा भवन रंगीला, विच पिंडी का वास

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

लक्ष्मी का वरदान है बेटी, धरती पर भगवान है बेटी, यदि सृष्टि हमें चलनी है, तो कन्या संतान बचानी है के उद्देश्य को लेकर पटियाला चौंक पर शहीदे आजम युवा क्लब द्वारा 39वां मां भवगती जागरण आयोजित किया गया। जागरण में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद के भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा, राजन चिल्लाना, रूद्राक्ष मिड्ढा सहित अनेक गणमान्यों ने शिरकत की और श्रद्धालुओं को कन्या भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाई। जागरण में श्रद्धालुओं को संकल्प भी दिलाया गया कि वो बेटियों को खूब पढ़ाएंगे और बेटा और बेटी में कभी भी कोई फर्क नहीं समझेंगे। बाकायदा उन्होंने मंच से मां भगवती की महिमा का गुणगान भी किया और कन्या महत्ता को कहानी के माध्यम से उजागर भी किया। जागरण की शुरूआत विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने मां भगवती की ज्योत प्रज्वलित कर के की। इसके बाद एक-एक कर कलाकारों ने मां की महिमा का गुणगान करते हुए भेंटे सुनाई।

जींद। जागरण में मां भगवती के दर्शनों के लिए लाइन में लगे श्रद्धालु।

कन्या के वर्चस्व को बचाना होगा : गुलशन सलूजा

शहीदे आजम युवा क्लब के प्रधान गुलशन सलूजा, कोषाध्यक्ष अमित सिंधवानी, सुभाष चंद्र अनेजा ने बताया कि जिस कन्या को हम मां के तौर पर पूजते हैं अगर उसी कन्या को हम गर्भ में मरवाते रहेंगें तो एक दिन ऐसा आएगा जब इस सृष्टि से कन्या का वर्चस्व ही खत्म हो जाएगा। ऐसे में अगर अभी से लोगों की सोच को नहीं बदला गया तो प्रदेश के अलावा देश के लिए कन्या भ्रूण हत्या एक विकट समस्या बन जाएगी। इसीलिए हमें कन्या के वर्चस्व को हर हाल में बचाना होगा। इसीलिए क्लब द्वारा हर वर्ष भगवती जागरण आयोजित किया जाता है। हर बार की तरह अबकी बार भी जागरण में हजारों की संख्या में पहुंची श्रद्धालुओं की भीड़ को कन्या भ्रूण हत्या न करने तथा कन्याओं को अधिक से अधिक पढ़ाई करवाने का जो संकल्प लिया है, उसने कन्याओं की महत्ता को उजागर किया है।